शनिवार से संभागवार विधायकों से मुलाकात करेंगे मुख्यमंत्री भजनलाल

कहा जा रहा है कि इन मुलाकातों का उद्देश्य बजट सत्र से पहले विधायकों की नाराज़गी दूर करना है

- मुख्यमंत्री शनिवार को कोटा संभाग के विधायकों से चर्चा करेंगे। रविवार को जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर संभाग के विधायकों से मिलेंगे तथा सोमवार को अजमेर, बीकानेर, जयपर संभाग के विधायकों से मुलाकात करेंगे।
- इस अभियान में विधायकों से आगामी बजट के लिये सुझाव लिये जायेंगे तथा उनके विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी बजट घोषणाओं की समीक्ष भी होगी।

जयपुर, 27 दिसम्बर। सरकार जनवरी के तीसरे सप्ताह में विधानसभा सत्र (बजट सत्र) बुला सकती है। बजट पेश होने के कारण यह सत्र करीब एक महीने तक चल सकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तय किया है कि इस सत्र से पहले, वे पार्टी के सभी विधायकों से बातचीत करेंगे। सदन में पहले भी भाजपा के विधायक अपनी ही सरकार को घेरते हुए नजर आए थे और कई विधायक अपनी ही सरकार में काम नहीं होने को लेकर निजी व सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जता चुके हैं। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा विधायकों से संभागवार फीडबैक लेने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री तीन दिन में सात संभागों के विधायकों से और अगले तीन दिन सीएमआर में संभागवार सभी विधायकों से चर्चा करेंगे। चर्चा की शुरुआत शनिवार को कोटा संभाग के विधायकों से होगी। रविवार को जोधपुर, उदयपुर और भरतपुर के विधायकों से तथा सोमवार को अजमेर, बीकानेर और जयपुर के विधायकों से बातचीत करेंगे।

संभावना है कि मुख्यमंत्री विधायकों के साथ बैठक में जनवरी माह में होने वाले रोजगार उत्सव, उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह के साथ ही, विधायकों द्वारा अपने क्षेत्र के विकास कार्यों की पुस्तिका जारी करने के संबंध में चर्चा करेंगे।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा की जाएगी। टीबी मुक्त अभियान की विस्तृत जानकारी, पंच गौरव कार्यक्रम (एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक प्रजाति, एक जिला-एक खेल, एक जिला-एक उपज, एक जिला-एक स्थल) के दिशा निर्देशों पर चर्चा होगी। वहीं, विधायकों से आगामी बजट एवं प्रदेश के विकास के रोडमैप को लेकर सुझावों पर चर्चा की जाएगी।

गौरतलब हैं कि पहले भी कई विधायक नाराजगी जता चके हैं। पिछले विधानसभा सत्र में बांदीकुई विधायक भागचंद टाकड़ा ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया था। उन्होंने अपनी ही सरकार के वन विभाग पर वसूली करने के आरोप लगाए थे।

उन्होंने विधानसभा में वन एवं पर्यावरण विभाग की अनुदान मांगों पर बोलते हुए कहा था कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में वनकर्मी चौथ वसूली कर रहे हैं। बजरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली को मिट्टी की बताकर कम जुर्माना लगाया जाता है। ट्रैक्टर मालिक से 50-50 हजार रुपए की रिश्वत ली जाती है।

लालसोट से भाजपा विधायक रामबिलास मीणा अपनी ही सरकार के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की कार्यशैली से नाराज हो गए थे। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वे मुख्यमंत्री से उनकी शिकायत करेंगे।

आगामी बजट को लेकर भी बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा विधायकों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। इसमें आगामी बजट के लिए सुझाव और विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी बजट घोषणाओं की समीक्षा भी होगी।

बठिंडा में बस नाले में गिरी : आठ की मौत

- भारी वर्षा, तेज हवा व बिजली गिरने से बस का संतुलन बिगड़ा।

बठिंडा, 27 दिसंबर। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार दोपहर भारी बारिश के बीच 44 यात्रियों को ले जा रही एक निजी बस गंदे नाले में गिर गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। बठिंडा की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमनीत कोंडल राहत कार्यों को अंजाम देने के लिए अन्य अधिकारियों के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचीं। उन्होने बताया कि एक निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस मानसा जिले के सरदूलगढ़ से करीब 70 किलोमीटर दूर बठिंडा जा रही थी। जब बस अपने गंतव्य से करीब 13 किलोमीटर दूर थी, तो यह तलवंडी रोड पर जीवन सिंह वाला में लिसारा नाले में पलट गई। कोंडल ने कहा, प्रशासन और पुलिस दल तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से बचाव अभियान चलाया गया। एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की एक टीम को भी बुलाया गया और वह इलाके की जांच करने के लिए मौके पर पहुंची। आस-पास के गांवों के निवासियों ने कहा कि वे पुलिस और नागरिक प्रशासन के हरकत में आने से पहले ही दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए थे।

चौमूं में स्कूल बस पुलिया से टकराई, शिक्षक की मौत

सारांश कोचिंग की बस में सवार 30 बच्चों में से 9 घायल हुए

- स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित होने के बावजूद कोचिंग इन्स्टीट्यूट में स्कूल चल रहा था। बस का ब्रेक फेल होने के कारण बस भोजलावा कट पर निर्माणाधीन पुलिया से टकराई।

चौमूं/कालाडेरा, 27 दिसंबर। चौमूं शहर में एनएच-52 पर भोजलावा कट के पास शुक्रवार सुबह स्कूल के बच्चों से भरी बस ब्रेक फेल होने के कारण निर्माणाधीन पुलिया में घुस गई। इस हादसे में बस ड्राइवर व नौ बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए और एक शिक्षक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बस में करीब 30 से अधिक बच्चे सवार थे। हादसे के दौरान, मौके पर सैंकड़ों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सूचना मिलने पर चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका-मुआयना किया। स्कूल बस सारांश कोचिंग इंस्टीट्यूट की बताई जा रही है।

गौरतलब है कि जयपुर जिला कलेक्टर की ओर से 10 दिवसीय शीतकालीन अवकाश घोषित होने के बाद भी सारांश कोचिंग इंस्टीट्यूट में स्कूल संचालित हो रही है।

चौमू उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि, कोचिंग इंस्टीट्यूट की बस इटावा से चौमूं आ रही थी। इसी दौरान, एनएच-52 पर भोजलावा कट के पास बस का ब्रेक फेल हो गया। बस अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन पुलिया से टकरा गई। हादसे में टीचर आंनदीलाल शर्मा (39) पुत्र रामेश्वर प्रसाद शर्मा निवासी बावड़ी की ढाणी, तिगरिया की मौत हो गई।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि एक स्टूडेंट की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि 8 स्टूडेंट्स और बस ड्राइवर को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। शिक्षक का शव चौमूं के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

चारागाह जमीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमि पर भूमाफियाओं ने अतिक्रमण कर दुकानें बना ली हैं। अदालत ने अतिक्रमण हटाने के संबंध में पिछली सुनवाई पर तहसीलदार बैजूपाड़ा से रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन तहसीलदार व एसडीएम ने अभी तक अतिक्रमण हटाने की कोई भी कार्रवाई नहीं की है। अधिकारियों की ओर से अतिक्रमियों को नोटिस जारी कर पुलिस जाब्ता नहीं मिलने का बहाना बनाकर कार्रवाई नहीं की जा रही है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने स्थानीय कलेक्टर को शपथ पत्र पेश कर अतिक्रमण हटाने की रिपोर्ट पेश करने को और ऐसा नहीं करने पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर अपना जवाब देने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकारा

- डल्लेवाल की चिकित्सा को गंभीरता से लेने के निर्देश दिये।

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत, अन्य मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा खनौरी सीमा पर 26 नवंबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के चिकित्सा संबंधी मामले से निपटने में पंजाब सरकार के रवैये पर शुक्रवार को नाराजगी व्यक्त की और कहा कि इसे गंभीरतापूर्वक लिया जाए। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह से कहा, कृपया इसे बहुत गंभीरता से लें, किसी की जान दांव पर लगी है। शायद आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अन्यथा, आप अब तक उन्हें चिकित्सा सहायता दे चुके होते।

पीठ ने पंजाब सरकार से दल्लेवाल को चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि अगर कुछ लोग कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर होने के कारण, उससे शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने मामले में नोटिस जारी करते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का भी आदेश दिया।

पीठ के समक्ष महाधिवक्ता ने कहा कि पंजाब के कैबिनेट मंत्री दल्लेवाल से मिलने गए थे, जहां उन्हें प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र सौंपा गया था। उस पत्र में कहा गया था कि अगर केंद्र हस्तक्षेप करता है, तो स्थिति शांत हो जाएगी। उन्होंने बताया कि दल्लेवाल ने कहा कि अगर कुछ बातचीत हो सकती है तो वह चिकित्सा सहायता के लिए सहयोग करने को तैयार हैं।

मूंग खरीद का लक्ष्य व अवधि बढ़ायें

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने केन्द्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखा।

जयपुर, 27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के किसानों के हित में मूंग के खरीद लक्ष्य को बढ़ाने सहित, खरीद अवधि को भी 5 फरवरी तक बढ़ाने के संबंध में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर अनुरोध किया है। शर्मा ने राज्य में असमय हुई वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मूंग खरीद के लिए गुणवत्ता मापदण्डों में शिथिलता प्रदान करने के लिए भी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को पत्र लिखा है। इससे अधिकाधिक किसानों से मूंग की खरीद सुनिश्चित होने के साथ ही, उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी।

पांचवे दिन भी बोरवैल से नहीं निकल पाई चेतना

रूक-रूक कर हो रही बारिश से बोरिंग का काम पूरा नहीं हो पा रहा

- सांसद राव राजेन्द्र सिंह व विधायक हंसराज पटेल ने रेस्क्यू अभियान की मॉनिटरिंग की।

कोटपूतली, 27 दिसंबर। ग्राम किरतपुरा की ढाणी बड़ीयाली में सोमवार 23 दिसम्बर की दोपहर करीब 02 बजे बोरवेल में गिरी 03 वर्षिय मासूम बालिका चेतना, पुत्री भूपेन्द्र चौधरी का 'रेस्क्यू ऑपरेशन' 5वें दिन में प्रवेश कर चुका है। जैसा कि विदित है कि चेतना पांच दिन पूर्व 150 फिट गहरे गड्ढे में गिर गई थी।

प्रशासन एक के बाद एक प्रयोग कर रहा है किन्तु करोड़ों रुपये खर्च करने और तमाम प्रयासों के बाद भी चेतना को बोरवेल से बाहर नहीं निकाल पाया है। शुक्रवार को 05 वें दिन करीब 100 घण्टे का समय बीत जाने के बाद भी चेतना का रेस्क्यू ऑपरेशन सफल नहीं हो सका। कुल मिलाकर अब यह 'रेस्क्यू ऑपरेशन' राजस्थान का सबसे लंबा चलने वाला रेस्क्यू ऑपरेशन बन गया है। प्रशासन व सरकार के स्तर पर चर्चायें कुछ भी हों, लेकिन यह बीता हुआ 100 घण्टों का समय चेतना व उसके परिवार के लिये बड़ा ही कष्टदायी रहा है। बोरवेल में पांच दिन से भूख-प्यास से पीड़ित मासूम बच्ची की पुकार तो किसी को सुनाई नहीं दे रही है, लेकिन चेतना की माँ धोली देवी बार-बार बेहोश हो रही है। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार हालात की मॉनीटरिंग कर रही है, डॉ. शेखावत ने बताया कि धोली देवी कुछ खा नहीं रही हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह व विधायक हंसराज पटेल ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देकर परिजनों से भी बातचीत की। घटना के बाद से ही एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, एसपी राजन दुष्यंत, एएसपी वैभव शर्मा, नगरपरिषद आयुक्त धर्मपाल जाट सहित, पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं एवं लगातार मौके को सम्भाले हुये हैं पुलिस ने किरतपुरा की ढ़ाणी बडियाली की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरीकेडिंग भी की है।

उल्लेखनीय है कि चेतना करीब 750 फिट गहरे बोरवेल में करीब 150 फीट पर अटकी हुई है। प्रशासन का प्लान ए विफल रहने के बाद प्लान बी के तहत हरियाणा के गुरूग्राम से मंगवाई गई पाईलिंग मशीन ने गुरूवार सुबह 03 बजे तक करीब 155 फिट गहरा गड्ढा खोदा, जिसके बाद गहराई में पत्थर आ जाने की वजह से करीब 03 घण्टे तक रेस्क्यू अभियान रूका रहा। बाद में पाईलिंग मशीन की बिट चेंज करके 160 फिट तक खुदाई की गई। एनडीआरएफ निरीक्षक योगेश मीणा ने बताया कि इसके बाद पाईलिंग मशीन को बदलकर करीब 170 फिट खुदाई की गई है। गुरूवार रात्रि को बोरवेल की खुदाई के बाद केसिंग का कार्य किया जा रहा था। लेकिन रात्रि करीब 01 बजे शुरू हुई बारिश आफत का सबब बन गई। बारिश के कारण पाईपों की केसिंग में वैल्डिंग का कार्य पूरा नहीं हो सका, जिसके चलते रात भर कार्य रूका रहा। शुक्रवार को दिन भर हुई बारिश के कारण इन पाईपों की केसिंग में वैल्डिंग का कार्य रूक-रूक कर जारी रहा। बताया जा रहा हैं कि केसिंग का कार्य अन्तिम चरण में है। फिलहाल 'जी शेप हुक' के जरिये बच्ची को बोरवेल में अटकाया हुआ है। जहां देशी तकनीक से एल बैंड लगाकर अम्ब्रेला बेस व जी शेप हुक लगाकर होल्ड पर रखा गया है।

समाचार लिखे जाने तक एनडीआरएफ टीम गड्ढे में उतरने की तैयारियां कर रही थी। इसके लिये विशेष तौर पर ऑक्सीजन सिलेंडर एवं अन्य तकनीकी तैयारियां की गई हैं। टीम को पाइप की केसिंग में बैठाकर बोरवेल में नीचे उतारा जायेगा।

बिहार में सत्तारूढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाया जा रहा है कि नीतीश कुमार को एन.डी.ए. मार्ग दर्शक मंडल की ओर धकेलने की रणनीति के तहत उन्होंने यह सब कहा।

जे.डी.ए. नेताओं ने सीधे ही इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है, परंतु असंतोष के सूक्ष्म संकेत नजर आने लगे हैं। पार्टी के एक्स हैंडल द्वारा जारी एक पोस्टर का कैप्शन था : "जब बिहार की बात हो, तो नाम सिर्फ नीतीश कुमार हो।"

भाजपा तथा जे.डी.ए., दोनों के लिए यह स्थिति पेचीदा है। कुमार की चिंता यह है कि चुनाव बाद के परिदृश्य में, जद यू के बिना भाजपा राज्य में सरकार गठित करने का प्रयास कर सकती है, जिसके लिए वह, जीतन राम मांजी की एच.ए.एम. और चिराग पासवान की ए.जे.पी. (रामविलास) जैसी, एन.डी.ए. गठबंधन की छोटी पार्टियों का सहारा ले सकती है। भाजपा के लिए चिंता यह है कि नवंबर में होने वाले चुनावों से पूर्व कुमार एक बार फिर पाला बदलकर महागठबंधन में जा सकते हैं।

विपक्षी दल आर.जे.डी. ने इस अनिश्चितता का फायदा उठाना शुरू कर दिया है। आर.जे.डी. के प्रमुख लालू यादव के करीबी तथा विधायक, भाई वीरेन्द्र ने हाल ही में कहा कि आर.जे.डी. फिर से कुमार के साथ गठबंधन के लिए तैयार है, अगर वे भाजपा जैसी साम्प्रदायिक ताकतों से सम्बंध तोड़ देते हैं तो।

मणिपुर के लोगों के हृदय में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी इस यात्रा के शीघ्र बाद ही यह कानून इंफाल की नगरपालिका सीमा से उठा दिया गया था। यह एक ऐसा निर्णय था, जिसकी गूँज मणिपुरवासियों की आकांक्षाओं से पूरी तरह एकाकार हो गई थी।

दो वर्ष बाद, 2 दिसम्बर, 2006 को डॉ. सिंह विकास-केन्द्रित कदमों के साथ मणिपुर गये थे उन्होंने कई प्रमुख पहलों की घोषणा की थी, जिनमें शामिल हैं- रीजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ मैडिकल साइंसेज (रिम्स) को एम्स के स्तर तक उठाना, स्थानीय प्रतिभाओं के विकास एवं प्रशिक्षण के लिये नैशनल स्पोर्ट्स एकेडमी स्थापित करना, राज्य की पहुँच एवं आर्थिक संभावनाओं को बढ़ाने के लिये सड़क एवं हवाई कनैक्टिविटी बढ़ाना आदि।

उनके इस दौरे से प्रधानमंत्री की उस प्रतिबद्धता को बल मिला कि राष्ट्रीय नीति-निर्माण में प्राय: उपेक्षा का शिकार रहे इस क्षेत्र में विकास संबंधी अंतर को समाप्त किया जाये।

डॉ. सिंह का तीसरा मणिपुर-दौरा, जो 3 दिसम्बर 2011 को हुआ था, कई मैगा प्रोजैक्टों के उद्घाटनों की दृष्टि से उल्लेखनीय रहा। इस दौरे पर यू.पी.ए. चेयरमैन सोनिया गांधी भी उनके साथ गई थीं। उन्होंने सिटी कन्वेन्शन सैन्टर, जो सांस्कृतिक तथा सरकारी आयोजनों का है, इन्टर-स्टेट बस टर्मिनस, जिसका उद्देश्य क्षेत्र को यातायात की बेहतर तथा पर्याप्त सुविधायें प्रदान करना था तथा उच्च न्यायालय परिसर, जो न्यायिक प्रगति का प्रतीक था, के उद्घाटन किये थे।

मणिपुर के लोगों को संबोधित करते हुये, डॉ. सिंह ने मणिपुर की जमीनी अखण्डता तथा राज्य के समग्र विकास के प्रति केन्द्र सरकार की सुनिश्चित प्रतिबद्धता को दोहराया था।

प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह का कार्यकाल समानुभूति तथा कार्य का अद्भूत संगम था तथा उसने मणिपुर पर अमिट प्रभाव छोड़ा था।

अफ्सपा तथा काँगला फोर्ट जैसी पुरानी शिकायतों और तकलीफों से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा चिकित्सा क्षेत्र में उन्नति के जरिये, विकास संबंधी आकांक्षाओं के पोषण तक उनकी ये यात्राएं मणिपुर के तत्कालीन इतिहास के महत्वपूर्ण एवं निर्णायक क्षण थीं।

मणिपुर के लोग, अपने संघर्षों के बीच, उन्हें एक नेता के रूप में याद करते हैं, जिन्होंने उथल-पुथल वाले दौर में उनकी बातें सुनी तथा जरूरी कदम उठाये।

उनकी विरासत, केन्द्र और परिधि के बीच के अंतर को पाटने में प्रभावी प्रशासन की छाप को याद दिलाने का काम कर रही है।

काफी मंथन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद में, मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा, सिंह का जीवन ईमानदारी और सादगी की मिसाल था। उन्होंने देश को आर्थिक संकट से उबारा और नई अर्थव्यवस्था का पथ प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री के रूप में, देश के विकास एवं प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी से सिंह का पृथक स्मारक बनाने को कहा, ताकि उनकी विरासत हमेशा बनी रहे। राहुल और प्रियंका ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पृथक स्मारक बनवाने की मांग की।

बिहार में फिर छात्रों के साथ सड़क पर उतरे खान सर

- बी.पी.एस.सी. के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन जोर पकड़ रहा है।

पटना, 27 दिसम्बर। बिहार के मशहूर शिक्षक खान सर एक बार फिर बीपीएससी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पटना में जारी छात्रों के प्रदर्शन में पहुंचकर छात्रों के साथ खड़े रहने की बात कही। उन्होंने इस दौरान कहा कि हम सब अपना हक मांगने के लिए यहां हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हम तब तक लड़ेंगे जब तक हम सभी को अपना हक नहीं मिल जाता है। 25 दिसंबर को बीपीएससी के खिलाफ जारी प्रदर्शन शामिल छात्रों पर पुलिस की लाठीचार्ज के बाद ये पहला मौका है जब खान सर छात्रों के साथ एक बार फिर खड़े दिख रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर 25 दिसंबर की शाम को बिहार पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। पुलिस ने उस वक्त लाठीचार्ज किया था जब छात्र बीपीएससी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि पुलिस पहले छात्रों को बीपीएससी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने से रोकने की कोशिश कर रही थी लेकिन जब प्रदर्शनकारी छात्र नहीं मानें तो पुलिस को उनके ऊपर लाठीचार्ज करना पड़ा।

क्या भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं और प्रधानमंत्री का रिकॉर्डेड संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की जोरदार तारीफ की है। इसके साथ भाजपा नेताओं और मोदी सरकार के मंत्री भी टी.वी. स्क्रीन पर नज़र आए और डॉ. मनमोहन सिंह की तारीफ की।

कुछ चैनल्स ने तो यह कहानी शुरु कर दी है कि डॉ. सिंह के कांग्रेस पार्टी से वह सम्मान और सहयोग नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। वे संकेत दे रहे हैं कि कैसे सोनिया तथा समूचे गांधी परिवार ने उनके साथ बुरा व्यवहार किया था तथा उन पर अपना एजेंडा चलाने का दबाव डाला था।

अगले कुछ दिन तक गोदी मीडिया पर ऐसी ही खबरें चलेगी, डॉ. सिंह और सोनिया के बीच कितना मनमुटाव तथा मतभेद था।

क्या यह निरंतर कवरेज इसलिए मिल रहा है कि डॉ. सिंह गैर गांधी प्रधानमंत्री थे?

जब वे जीवित थे तब भाजपा ने डॉ. सिंह को अपमानित करने व उनकी छवि खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन पर "एक्सीडैंटल प्राइम मिनिस्टर" जैसी फिल्म बनाई गई। मोदी ने तो यहाँ तक कहा कि डॉ. सिंह रेन कोट पहनकर नहाते हैं।

डॉ. सिंह को भाजपा ने कठपुतली, कमज़ोर शख्स बताया, उन्हें ट्रोल किया गया तथा संघ समर्थकों ने उनका खूब मज़ाक उड़ाया।

सूत्रों ने कहा अब अचानक से मनमोहन सिंह के प्रति इतना प्रेम उमड़ रहा है, खासकर नरेन्द्र मोदी द्वारा जो प्रेम जताया जा रहा है, उससे पता चलता है कि भाजपा में उच्चतम स्तर पर घटिया राजनीति खेली जाती है।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्कार के दिन सभी राजनयिक मिशनों एवं विदेशों में भी उच्चायोगों में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे।

विधवा ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़िता ने जयपुर में अपने परिचितों के यहां पर शरण ली है।

इस मामले में जमीन पर खेती कर रहे रामनिवास बलाई ने भी प्रागपुरा थाने में एसटी एससी और जबरन घुसकर मारपीट करने, जानलेवा हमले और कब्जा करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हिमाचल प्रदेश में हिमपात लगातार जारी

शिमला, 27 दिसंबर। हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। राज्य की पर्वत श्रृंखलाओं पर बीती रात से हिमपात हो रहा है। वहीं राजधानी शिमला से सटे पर्यटन स्थल कुफ़री, नारकंडा, खड़ापत्थर, जुब्बल, कोटखाई, चौपाल इत्यादि क्षेत्रों में सुबह से हिमपात का दौर शुरू हो गया है। ताजा हिमपात से अपर शिमला में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। नारकंडा में दो इंच से ज्यादा हिमपात हो चुका है। इस वजह से शिमला-रामपुर नेशनल हाईवे ठप हो गया है और वाहनों को वाया सुन्नी होकर भेजा जा रहा है। शिमला शहर में हल्की बारिश हो रही है और यहां मौसम हिमपात के अनुकूल बना हुआ है। राज्य के मैदानी हिस्सों में भी कुछ जगह हल्की वर्षा हो रही है।

राज्य के पहाड़ी इलाकों में दिसम्बर में यह सीज़न की तीसरा हिमपात हो रहा है। इससे पहले आठ दिसम्बर और 23-24 दिसम्बर को भी हिमपात हुआ था।

फैन्स को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी फिल्म स्टार्स को उठानी चाहिए

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी की फिल्म उद्योग को दो टूक सलाह

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सुपर स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के समय संध्या थिएटर में मची भगदड़ में सरकार द्वारा अल्लू अर्जुन को जिम्मेवार माने जाने व कस्टडी में लिए जाने को लेकर उठे विवाद के बाद फिल्म उद्योग का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला, जिसमें मुख्यमंत्री ने उक्त सलाह दी।
- मीटिंग में मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि कानून सभी के लिए समान है, चाहे वो फिल्म स्टार हो या आम आदमी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई, उसका बच्चा कोमा में है, पर सब अल्लू अर्जुन से सहानुभूति दिखा रहे हैं। इसके बाद तेलुगू फिल्म उद्योग ने मृतका के परिजनों को दो करोड़ रूपए देने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने फिल्म उद्योग की समस्याएं निपटाने का आश्वासन दिया और इसके लिए मंत्रियों का एक समूह गठित किया तथा फिल्म उद्योग को भी सलाह दी कि वे एक प्रतिनिधिमंडल बनाएं जो सरकार से सीधे वार्ता कर सके।

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर ऐसे आरोप लगाये जा रहे थे कि वह तेलुगू फिल्म उद्योग के खिलापु उत्तेजना पैदा कर रही है तथा चाहती है कि फिल्म उद्योग, राजनैतिक रूप से, उसके अनुसार काम करे। इन आरोपों के बीच, राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को शीर्ष फिल्म प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की तथा रेड्डी ने फिल्म उद्योग को हर संभव मदद देने का वादा किया। प्रतिनिधिमंडल में पुष्पा-2 के अभिनेता अल्लू अर्जन के पिता, जाने माने फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद भी शामिल थे।

हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई भगदड़, जिसमें एक महिला रेवती की मौत हो गई थी तथा उसका 9 साल का बेटा कोमा में हैं, को देखते हुए यह मीटिंग महत्वपूर्ण है। ऐसे राज्य, जहाँ फिल्मों और राजनीति का गहरा रिश्ता है, वहाँ यह मीटिंग और भी ज्यादा मायने रखती है। ज्ञातव्य है कि जब आंध्र प्रदेश विभाजित नहीं हुआ था, उस समय एक फिल्म स्टार एन.टी. रामाराव ने तेलूगु देशम पार्टी बनाई और 9 माह बाद हुए चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। इस समय उनके दामाद एन. चंद्रबाबू नायडू आंध्र के मुख्यमंत्री हैं तथा उनके कई रिश्तेदार जो फिल्मों में है, उन्होंने पार्टी का प्रचार भी किया था। एन.टी.आर. के पोते जूनियर एन.टी.आर. को भाजपा ने अपनी तरफ करने की बहुत कोशिश की, पर उसने राजनीति में आने से मना कर दिया।

भगदड़ केस में जब अल्लू अर्जुन को आरोपी बनाया गया तो भाजपा तुरंत उनके बचाव में उतर आई, उसने कांग्रेस पर फिल्म उद्योग को परेशान करने का आरोप लगाया ताकि फिल्मों से जुड़े लोगों को अपने पास में किया जा सके। लेकिन मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी, जो कि अल्लू अर्जुन के परिवार के करीबी बताए जाते हैं, ने भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि कानून सभी के लिए समान है और पुलिस अपना काम कर रही थी, अगर अल्लू अर्जुन ने कुछ गलत किया हे तो जाँच होगी और कानून के अनुसार उन्हें सजा भी होगी।

बताया जाता है कि मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार थिएटर में हुई भगदड़ को लेकर गंभीर है। उन्होंने इस बात की निंदा की, सारा फिल्म उद्योग अल्लू अर्जुन के घर जाकर उनके प्रति सद्भाव दर्शा रहा है, पर उस महिला रेवती और उसके परिवार के प्रति कोई सहानुभूति नहीं जता रहा है। रेवती का 9 साल का बेटा श्री तेज अभी भी कोमा में है।

विरोध प्रदर्शन के काफी बाद में अल्लू अर्जुन एवं फिल्म निर्माताओं ने पीड़ित परिवार को दो करोड़ रूपए देने की घोषणा की।

जाँच चल रही है, पर फिल्म इण्डस्ट्री एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला तथा उन्हें इण्डस्ट्री की समस्याओं से अवगत करवाया और सहायता मांगी।

मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि फिल्मी हस्तियों को अपने फैन्स को नियंत्रित करने की जिम्मेवारी उठानी चाहिए। कानून और व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने नागार्जुन (जिनका एक भवन नॉन अप्रूव्ड ज़ोन में होने के कारण सरकार ने तोड़ दिया था), वैंकटेश भी शामिल थे, जिन्होंने टिकट रेट्स, स्पेशल स्क्रीनिंग के राइट्स के बारे में मुख्यमंत्रीसे सहायता मांगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रियों का एक समूह फिल्म उद्योग से जुड़े मसले को देखेगा। उन्होंने फिल्म इण्डस्ट्री को एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का सुझाव दिया ताकि दोनों मिल बैठकर मसेल सुलझा सके।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908